अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 10 अगस्त 2026

Page No. 06 : Bottom

बाजे रे मुरलिया बाजे...पर झूम उठे श्रोता

बरेली। स्टेडियम रोड स्थित रिद्धिमा में रविवार को कृष्ण भक्ति के मधुर सुरों में समर्पित संगीतमय आराधना कार्यक्रम सुरों के श्याम का आयोजन हुआ। इसमें रिद्धिमा के गायन गुरुओं और उनके शिष्यों ने भगवान कृष्ण को समर्पित अपने गीतों से भक्ति रस की सरिता में सभी को भावविभोर कर दिया।

कार्यक्रम का आरंभ गीत 'जमुना किनारे मोरा गांव' से हुआ। इसे अपने सुर मधुर स्वरों में गायन गुरु प्रियंका ग्वाल और रजनी अग्रवाल ने प्रस्तुत किया। गायन के विद्यार्थी काव्या, जारा और चंदन ने 'राधा कैसे न जले' गीत को अपनी आवाज देकर भगवान कृष्ण के प्रति राधा के उलाहनों की कहानी सुनाई। वाद्ययंत्र गुरु पवन भारद्वाज ने 'ऐसी लागी लगन मीरा हो गई मगन' को प्रस्तुत कर वाहवाही हासिल की। वहीं गीत 'बाजे रे मुरलिया बाजे' को गुरुजनों और शिष्यों ने एक साथ प्रस्तुत कर समा बांध दिया और श्रोता झूम उठे।

इसी तरह गायन गुरु सात्विक मिश्रा, गुरु प्रियंका ग्वाल, विद्यार्थी आदित्य, अंशुमा, श्रेया गायन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन अरुणा गंगवार ने किया। इस दौरान एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, उषा गुप्ता, डॉ. एमएस बुटोला, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. शैलेश सक्सेना, डॉ. रीता शर्मा सहित शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे। संवाद

दैनिक जागरण

बरेली, सोमवार
10 अगस्त, 2026
नगर संस्करण

Page No. 06 : Bottom

रिद्धिमा में प्रस्तुति देते कलाकार ● सौ. आयोजक

'बाजे रे मुरलिया बाजे' पर झूम श्रोता

बरेली : एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को कृष्ण भक्ति के मधुर सुरों में समर्पित संगीतमय आराधना कार्यक्रम सुरों के श्याम का आयोजन हुआ। इसमें रिद्धिमा के गायन गुरुओं और उनके शिष्यों ने भगवान कृष्ण को समर्पित अपने गीतों से भक्ति रस की सरिता में सभी को भावविभोर किया। कार्यक्रम का आरंभ गीत 'जमुना किनारे मोरा गांव' से हुआ। इसे अपने मधुर स्वरों में गायन गुरु प्रियंका ग्वाल और रजनी अग्रवाल ने प्रस्तुत किया। अरुणा गंगवार, संस्थापक देव मूर्ति, आशा मूर्ति, उषा गुप्ता, डा. एमएस बुटोला, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार आदि मौजूद रहे।